अध्यक्ष का अभिभाषण

प्रिय हितधारकगण,

यह बहुत सम्मान और सौभाग्य की बात है कि मैं 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट के लिए आपके समक्ष अध्यक्षीय अभिभाषण प्रस्तुत कर रहा हूं। मुझे आपके साथ लेखा परीक्षकों और निदेशकों की रिपोर्ट के साथ–साथ वार्षिक लेखा परीक्षित लेखा साझा करने में हर्ष हो रहा है।

एक और उल्लेखनीय प्रगति के वर्ष के बाद आपको संबोधित करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है। वित्तीय वर्ष 2022–23 हमारी कंपनी के लिए कई मोर्चों पर महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ उल्लेखनीय रहा है।

अपने स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो के विस्तार पर हमारा अटूट फोकस हमें निरंतर सफलता की ओर अग्रसर कर रहा है। हम स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में योगदान देते हुए अपने ग्राहकों और भागीदारों के सहयोग से नई तकनीकों को अपनाने में सक्रिय रहे हैं। इसने हमें रूफटॉप सोलर, ईवी बिजनेस और पंप स्टोरेज प्लांट जैसे उपभोक्ता–केंद्रित व्यवसायों में अपनी नेतृत्व स्थिति बनाए रखते हुए, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में और भी बड़े अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार किया है।

आपके हार्दिक समर्थन से, हमारी कंपनी ने अपने आधार को सुदृढ़ किया है और तेजी से विकासशील संगठन के रूप में उभर रही है।

विकास दृष्टिकोण:

वर्ष 2024–25 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और वर्ष 2030 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के भारत के प्रयास ने देश के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और पेरिस समझौते के दौरान निर्धारित सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को पूरा करने पर नए सिरे से जोर दिया है।

हरित क्रांति लाने के लिए, भारत सरकार ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जिसमें 280 गीगावाट सौर ऊर्जा और 140 गीगावाट पवन ऊर्जा शामिल है।

भारत अब वर्ष 2030 तक अपनी संचयी विद्युत स्थापित क्षमता का लगभग 50% गैर–जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। मई 2023 तक, बड़े जलविद्युत और परमाणु संयंत्रों को छोड़कर, भारत की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 126.77 गीगावाट तक पहुंच गई, जो देश की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता का 30% है।

नीति आयोग द्वारा विकसित भारत ऊर्जा सुरक्षा परिदृश्य (आईईएसएस) 2047 टूल के अनुमानों के अनुसार, ग्रिड को प्रभावी ढंग से संतुलित करने और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की बढ़ती पहुंच को समायोजित करने के लिए भारत को वर्ष 2047 तक न्यूनतम 75 गीगावाट ऊर्जा भंडारण क्षमता की आवश्यकता होगी। जो पंप भंडारण सहित ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकियां भारत के भविष्य के ऊर्जा परिदृश्य में निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है।

मुझे आपको यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि टीएचडीसीआईएल उत्तराखंड के टिहरी में केंद्रीय क्षेत्र में 1,000 मेगावाट क्षमता का पहला पंप भंडारण संयंत्र चालू करने के अंतिम चरण में है। टिहरी पंप भंडारण संयंत्र (4X250 मेगावाट) की पहली दो इकाइयां वित्त वर्ष 2023–24 में और शेष दो इकाइयां जून–2024 तक चालू हो जाएंगी।

इसके अतिरिक्त, विद्युत मंत्रालय ने उत्तराखंड, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और केरल राज्यों में 12,555 मेगावाट की संभावित स्थापित क्षमता वाली 10 पंप स्टोरेज परियोजनाओं की शुरुआत का संकेत दिया है। हम परियोजना व्यवहार्यता रिपोर्ट को अंतिम रूप देने और अन्य राज्यों में भी पंप भंडारण परियोजनाओं की संभावना तलाशने की प्रक्रिया में हैं। टीएचडीसीआईएल ने केरल में पंप भंडारण परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए 24.01.2023 को केरल स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड लिमिटेड (केएसईबीएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

हमारा संगठन हर नई तकनीक का पता लगाने के लिए आपके सराहनीय समर्थन के साथ अथक प्रयास कर रहा है जो वर्ष 2070 तक निवल–शून्य ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन प्राप्त करने के सरकार के महत्वाकांक्षी लक्ष्य में योगदान दे सकता है। राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के अद्यतन संस्करण में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए, संरक्षण और संयम की परंपराओं और मान्यताओं को समाविष्ट करते हुए जीवन–यापन के एक स्वस्थ और सतत तरीके को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है।

मुझे यह घोषणा करते हुए हर्ष हो रहा है कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरआरईसीएल) के साथ साझेदारी में ट्रेडको राजस्थान लिमिटेड नामक एक संयुक्त उद्यम कंपनी की स्थापना की है। इस संयुक्त उद्यम का लक्ष्य राजस्थान राज्य में 10,000 मेगावाट का अल्ट्रा मेगा नवीकरणीय ऊर्जा पावर पार्क विकसित करना है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में मुख्य निष्पादन विशेषताएं

मुझे यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि हमारी कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान सतत प्रदर्शन किया है और अपनी सुदृढ़ अवसंरचना में सुधार किया है। हमारे कर्मचारियों का समर्पण और हमारे हितधारकों का सहयोग, हमें भविष्य में उद्देश्यों से अधिक की प्राप्ति करने का विशाल आत्मविश्वास प्रदान करता है।

हमारे कार्य–निष्पादन की कुछेक मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

- हमने 3,207.54 करोड़ रुपये के लक्ष्य की तुलना में 4,615.02 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय के साथ वित्त वर्ष 2022–23 के लिए अपने पूंजीगत व्यय लक्ष्य को लगभग 43.9% से अधिक कर लिया है।
- हमारे वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान 4,935.48 एमयू की कुल संचयी उत्पादन के साथ प्रचालन संयंत्रों ने ऊर्जा उत्पादन में असाधारण प्रदर्शन हासिल किया, जो पिछले नौ वित्तीय वर्षों में सबसे अधिक है।
- टिहरी एचपीपी और कोटेश्वर एचईपी ने क्रमशः 84.09% और 68.62% के संयंत्र उपलब्धता कारक (पीएएफ) हासिल किए, जो 80% और 68% के मानक आंकड़ों से अधिक हैं।

यूनिट # 1, टिहरी पीएसपी की पैकेजिंग

- टिहरी पीएसपी की पहली इकाई (4X250 मेगावाट) को दिनांक 30.03.2023 को सफलतापूर्वक बॉक्स–अप किया गया।
- खुर्जा एसटीपीपी की पहली इकाई का बॉयलर हाइड्रो परीक्षण दिनांक 15.03.2023 को सफलतापूर्वक पूरा हुआ।
- अमेलिया कोयला खदान से कोयले की निकासी दिनांक 18.02.2023 को निर्धारित समय से पहले शुरू हो गई, और हम विद्युत मंत्रालय/कोयला मंत्रालय द्वारा दिए गए लक्ष्य के अनुसार पहले ही 0.3 मिलियन टन से अधिक कोयला निकासी कर चुके हैं।
- अमेलिया कोयला खदान में भी राजस्व उत्पन्न करना शुरू हो गया है क्योंकि एनटीपीसी संयंत्रों को निर्धारित समय से पहले कोयला प्रेषण शुरू हो गया है।
- वीपीएचईपी में टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) से खनन शुरू हो गया है।
- वर्ष 2022–23 के दौरान सकल बिक्री 1,974.30 करोड़ रुपये और निवल लाभ 670.57 करोड़ रुपये रहा।
- केरल राज्य में इडुक्की पंप स्टोरेज और पल्लीवासल पंप स्टोरेज परियोजनाओं के लिए पीएफआर की तैयारी के लिए दिनांक 24.01.2023 को केरल स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड लिमिटेड (केएसईबीएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- एक संयुक्त उद्यम कंपनी के माध्यम से उत्तराखंड में जल विद्युत की अप्रयुक्त क्षमता का दोहन करने के लिए दिनांक 06.03.2023 को उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यूजेवीएनएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- कंपनी ने अप्रतिभूत कॉरपोरेट बॉन्ड सीरीज–VIII जारी करके सफलतापूर्वक निधियां जुटाई हैं, जिसका कुल निर्गम आकार 763 करोड़ रुपये है, और प्रति वर्ष 7.76% की कूपन दर पर 10 वर्ष की मियाद है। निर्गम को आधार निर्गम आकार से 9 गुना ज्यादा अभिप्राप्त (सब्सक्राइब) किया गया था। कंपनी को 763 करोड़ रुपये के कुल निर्गम आकार के सापेक्ष 2588 करोड़ रुपये की बोलियां प्राप्त हुईं, जो कंपनी में निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है।
- दिसंबर–22 में टिहरी झील में तीन दिवसीय एशियाई रैंकिंग चैंपियनशिप और ओलंपिक क्वालीफाइंग ओपन कैनो स्प्रिंट वरिष्ठ पुरुष और महिला चैंपियनशिप–2022 (टिहरी वॉटर स्पोर्ट्स कप) का सफलतापूर्वक आयोजन किया।
- क्षमता निर्माण पहल और एचआरडी केंद्र, ऋषिकेश की बुनियादी सुविधाओं का उपयोग करके इसे एक लाभ केंद्र में बदलने के लिए एनएसबी (एनटीपीसी स्कूल ऑफ बिजनेस) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। हमने पहले ही कार्यक्रमों को क्रियान्वित करके राजस्व अर्जित करना शुरू कर दिया है।
- राजस्थान राज्य में 10,000 मेगावाट अल्ट्रा मेगा नवीकरणीय ऊर्जा पावर पार्क के विकास के लिए राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरआरईसीएल) के साथ साझेदारी में ट्रेडको राजस्थान लिमिटेड नामक एक संयुक्त उद्यम कंपनी का गठन किया गया।

चल रही परियोजनाएं:

टीएचडीसीआईएल, पूरे भारत और विदेशों में नवीकरणीय परियोजनाएं स्थापित करने की संभावनाएं तलाशकर नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में गहन रूप से विस्तार कर रहा है। अनेक चुनौतियों के बावजूद, हमारा हालिया विकास हमें आपको यह आश्वस्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है कि टीएचडीसीआईएल का विकास और समृद्धि जारी रहेगा।

वर्ष 2026 तक कम से कम 4,351 मेगावाट क्षमता स्थापित करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, हमारी परियोजनाएं जारी हैं जो अच्छी प्रगति कर रही हैं। इसके संबंध में कुछ अद्यतन जानकारी निम्नानुसार हैं:

- **टिहरी पीएसपी:** सभी मोर्चों पर कार्य कमीशनिंग के उन्नत चरण में हैं, और दो इकाइयों के मार्च 2024 तक चालू होने की उम्मीद है।
- **वीपीएचईपी:** विभिन्न उपायों को लागू करने के बाद, परियोजना प्रगति पर है, और पहली इकाई मार्च 2026 तक चालू होने की संभावना है।
- **खुर्जा एसटीपीपी:** प्रमुख संयंत्र पैकेज पहले ही प्रदान किए जा चुके हैं, और कार्य उल्लेखनीय प्रगति पर है। पहली इकाई फरवरी 2024 तक चालू होने की उम्मीद है।

1320 मे. वा. खुर्जा एसटीपीपी का एरियल दृश्य

- **अमेलिया कोयला खदान:** कोयले की निकासी दिनांक 18.02.2023 को निर्धारित समय से पहले शुरू हुई, साथ ही वाणिज्यिक कोयला प्रेषण भी शुरू हुआ।

अमेलिया कोयला खदान से कोयला रैक का डिस्पेच

- हमारे चल रहे प्रयासों में उत्तर प्रदेश राज्य में टुस्को लिमिटेड नामक एक संयुक्त उद्यम कंपनी के माध्यम से 2,000 मेगावाट अल्ट्रा मेगा नवीकरणीय ऊर्जा पावर पार्क का विकास भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, टीएचडीसीआईएल और आरआरईसीएल ने राजस्थान में 10,000 मेगावाट अल्ट्रा मेगा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क के विकास के लिए ''ट्रेडको राजस्थान लिमिटेड'' नाम से एक संयुक्त उद्यम की स्थापना की है।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में, हम कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के महत्व को समझते हैं और हमने अपनी कंपनी प्रायोजित सोसायटी, सेवा–टीएचडीसी के माध्यम से अपने प्रचालन क्षेत्रों में व्यापक गतिविधियां शुरू

की हैं। हम मानते हैं कि मात्र कंपनी द्वारा प्रदान की गई सीएसआर निधियां सभी हितधारकों की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है। इस चुनौती से निपटने के लिए, हमने विभिन्न राज्य और केंद्र सरकार के विभागों और एजेंसियों के साथ साझेदारी परियोजनाएं शुरू की हैं, जिससे हमारे प्रचालन क्षेत्रों में समुदायों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कृषि, वाटरशेड विकास और स्वास्थ्य क्षेत्रों सहित अन्य क्षेत्रों में सफलतापूर्वक अतिरिक्त निधियां जुटाई जा सकीं।

कुछ उल्लेखनीय सीएसआर पहलों में टिहरी और देहरादून जिलों के दूरदराज के इलाकों में एलोपैथी और होम्योपैथी औषधालय का संचालन, वंचित बच्चों के लिए स्कूलों का संचालन, स्वास्थ्य उपकरण का वितरण, शौचालयों का निर्माण, स्कूलों में परिवेशी जल कियोस्क की स्थापना, स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना, कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना, स्ट्रीट लाइट की स्थापना और वर्षा जल संचयन टैंकों का निर्माण शामिल है।

कॉर्पोरेट सुशासन परिपाटियां

टीएचडीसीआईएल में, हमारा मानना है कि हितधारकों के विश्वास को बनाने और बनाए रखने के लिए सुदृढ़ कॉर्पोरेट अभिशासन महत्वपूर्ण है। पारदर्शिता, समानता, अखंडता, जवाबदेही और सामाजिक जिम्मेदारी हमारे कॉर्पोरेट अभिशासन ढांचे के मूल सिद्धांत हैं। हम यह सुनिश्चित करते हुए सभी प्रासंगिक कानूनों, नियमों और विनियमों का पालन करते है कि हमारी कॉर्पोरेट सुशासन परिपाटियां उच्चतम मानक की हैं।

मुझे आपको यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि हमारी कंपनी ने 'कॉर्पोरेट सुशासन पर डीपीई दिशानिर्देशों' के अनुपालन के लिए लगातार ''उत्कृष्ट'' रेटिंग हासिल की है। हम हितधारकों के अधिकारों की रक्षा करने और प्रभावी संचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस उद्देश्य से, हमने एक व्हिसलब्लोअर नीति स्थापित की है जो हितधारकों को कथित कदाचार या गलत काम के बारे में चिंताएं, जो कंपनी के व्यवसाय या प्रतिष्ठा को प्रभावित कर सकती है, उठाने में सक्षम बनाती है। हम निवेशकों की शिकायतों को दूर करने के लिए सेबी, स्कोर्स की वेब–आधारित केंद्रीकृत शिकायत निवारण प्रणाली का भी उपयोग करते हैं। मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि हमारी कंपनी को वित्तीय वर्ष के दौरान किसी निवेशक से कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रतिबद्धता - आत्मनिर्भर भारत

भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत के प्रति प्रतिबद्धता का लक्ष्य वर्ष 2047 तक भारत को ऊर्जा स्वतंत्र बनाना है। हालाँकि, वर्तमान परिदृश्य से पता चलता है कि भारत अपनी खपत का 90% तेल और 80% औद्योगिक कोयला आयात करता है। वैश्विक ऊर्जा बाजारों में कीमत और आपूर्ति की अस्थिरता भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव डालती है और अर्थव्यवस्था–व्यापी मुद्रास्फीति में योगदान करती है। सरकार ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए बिजली, परिवहन और औद्योगिक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो सामूहिक रूप से 80% से अधिक ऊर्जाखपत के लिए जिम्मेदार हैं।

टीएचडीसीआईएल सरकार की पहल के साथ जुड़ी हुई है और नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों और हरित हाइड्रोजन में निवेश करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। सरकार ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर–जीवाश्म ईंधन बिजली उत्पादन क्षमता हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, वर्ष 2040 तक 80% और वर्ष 2047 तक 90% स्वच्छ ग्रिड का लक्ष्य है। हमारा लक्ष्य हाइब्रिड, फ्लोटिंग सोलर, हाइड्रोजन ईंधन परियोजनाओं में अवसरों का लाभ उठाना और ईवी चार्जिंग स्टेशनों को सुदृढ़ करना है। इन उद्देश्यों के अनुरूप, टीएचडीसीआईएल उत्तराखंड में हमारे ऋषिकेश कार्यालय परिसर में ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और हाइड्रोजन ईंधन सेल–आधारित माइक्रो–ग्रिड के लिए एक प्रायोगिक परियोजना स्थापित कर रही है। इस प्रायोगिक परियोजना से प्राप्त अनुभव व्यावसायिक स्तर पर ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और भंडारण संयंत्र के कार्यान्वयन का मार्गदर्शन करेगा। हमने पेट्रोल/डीजल वाहनों के अपने आंतरिक बेड़े को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने और उत्तराखंड में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग अवसंरचना का पता लगाने की भी योजना बनाई है।

दायरे का विस्तार : टीएचडीसीआईएल का भविष्य

विद्युत अवसंरचना किसी देश की आर्थिक वृद्धि और कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। चूंकि भारत में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है, हम स्थापित उत्पादन क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि की आवश्यकता को समझते हैं। टीएचडीसीआईएल में, हम उत्तराखंड और देश भर के अन्य जल–समृद्ध राज्यों में और अधिक जलविद्युत परियोजनाएं शुरू करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। हम विविधता के साथ पारंपरिक और गैर–पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के विभिन्न रूपों का उपयोग कर रहे हैं।

हमें अपने दायरे का विस्तार करने और एक ऐसी कंपनी बनने पर गर्व है जो सभी प्रकार की ऊर्जा को पूरी तरह से अपनाती है। पर्यावरण, सामाजिक और अभिशासन परिपाटियों पर हमारा फोकस यह सुनिश्चित करता है कि हम उद्देश्यपूर्ण सीएसआर गतिविधियों और पहलों के माध्यम से पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील, मूल्य–आधारित और सशक्त समाज के निर्माण में योगदान दें। प्रबंधन की सर्वोच्च प्राथमिकता चल रही परियोजनाओं का समय पर निष्पादन है, और हम वर्ष 2026 तक 4,351 मेगावाट और वर्ष 2030 तक 6,000 मेगावाट क्षमता स्थापित करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसे पूरा करने के लिए, हमने जैविक और अजैविक दोनों विकास के लिए अतिप्रेरक कार्यनीति तैयार की है।

आभार

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के निदेशक मंडल की ओर से, मैं अपने सभी हितधारकों, व्यापार भागीदारों, ग्राहकों, एनटीपीसी, केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग (सीईआरसी), केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए), केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी), लोक उद्यम विभाग (डीपीई), भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी), बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई), राज्य सरकारों और भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विशेष रूप से विद्युत मंत्रालय, का उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

कंपनी के प्रदर्शन में सुधार के लिए बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन टीम के बहुमूल्य योगदान और सुझावों के लिए मैं विशेष धन्यवाद व्यक्त करता हूँ। मैं टीएचडीसी की पूरी टीम के प्रयासों और समर्पण के लिए भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिसने कंपनी को विद्युत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण संस्था बनाने के लिए अथक कार्य किया है। आपकी ओर से, मैं आने वाले वर्षों में उनके निरंतर समर्थन और समर्पण की कामना करता हूँ।

टीएचडीसीआईएल परिवार के एक हिस्से के रूप में, मैं आपको आश्वस्त करता हूँ कि हमारी कंपनी अथक परिश्रम करती रहेगी और आपकी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। टीम टीएचडीसीआईएल के असाधारण ज्ञान और कौशल के साथ, मुझे विश्वास है कि प्रत्येक कर्मचारी भविष्य में हमारे प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए ''पावर सोल्जर'' के रूप में काम करेगा।

मैं आपके, अपने शेयरधारकों के निरंतर विश्वास, भरोसे और समर्थन के लिए भी आपको धन्यवाद देता हूं। मैं हमारे संविदाकारों, आपूर्तिकर्ताओं और बैंक एवं वित्तीय संस्थानों, जिन्होंने हमारे विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, की सराहना करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित,

ह./–
(राजीव कुमार विश्नोई)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएनः 08534217

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 25.09.2023